CHOITHRAM SCHOOL NORTH CAMPUS

ANNUAL PADAGOGIAL PLAN - IX ^fgnh* 2023&24

Step II : Designing KPI (FORMAT FOR DESIGNING KPIs)

KPI NAME	KPI DEF. NO.	KPI DEFINATION	WHERE ARE WE NOW? (scale & description)	KPI GOAL	KPI LIMIT	WHAT WE NEED TO DO ?	HOW WILL IT BE ACHIEVED	KPI MEASUREMENT	REVIEW	KPI REPORTING/achivement	KPI Improvement
प्रभावी वाचन का अभ्यास	1.	1.1 आवाज़ के उचित हावभाव, उतार–चढ़ाव, लय के साथ अर्थग्रहण करते हुए बोलने का अभ्यास। LP1	60% बच्चे कविता वाचन के दौरान आवाज़ के उचित हावभाव, उतार–चढ़ाव, लयात्मकता का ध्यान रखते हैं।	65%	±2	1. अर्थग्रहण करते हुए हावभाव व लय के साथ वाचन अभ्यास करवाना। 2. आवाज़ के उचित उतार–चढ़ाव, धाराप्रवाह के साथ बोलने का अभ्यास कराना। App-Implementing	1. आदर्श वाचन तथा अनुकरण वाचन के द्वारा विद्यार्थियों के सामने उत्तम वाचन का प्रतिरूप प्रस्तुत किया जाएगा। जिसके द्वारा विद्यार्थी वाक्य संबंधी त्रुटियों को दूर करने में समर्थ होंगे। साथ ही व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध वाचन का अभ्यास कर लिपि व मापन की बारीकियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. यू–ट्यूब अथवा दृश्य–श्रव्य के माध्यम से विभिन्न कविताओं को दिखाना।	गतिविधि के दौरान	गतिविधि के पश्चात्		
आत्मविश्वास के साथ बोलने का अभ्यास/ विचार अभिव्यक्ति का अभ्यास	2.	2.1 विद्यार्थियों द्वारा आत्मविश्वास के साथ बोलने का अभ्यास। LP2	65% बच्चे लेखन के दौरान वर्तनीगत शुद्धियों का ध्यान रखते हैं।	75%	±2	आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुति देने में सक्षम बनाना। Understanding-Comparing	1. विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उन्हें नियमित बोलने/विचार अभिव्यक्ति के लिए कक्षाकक्ष में अवसर दिया जाएगा। जैसे– विद्यार्थियों के स्तरानुसार उनसे प्रश्न पूछे जाएँगे। साथ ही उन्हें आत्मविश्वास बढ़ाने के कुछ तरीके भी बताए जाएँगे। जैसे– गलती करने से न डरें, छोटे–छोटे विषयों पर बोलने का अभ्यास स्वतः करें, आई कॉन्टेक्ट बनाएँ आदि बातों के लिए सतत् प्रोत्साहित करना।	परिचर्चा, मूल्यांकन के समय।			
वर्तनीगत प्रयोग तथा शब्द भण्डार में वृद्धि करना। (भाषा शिक्षण कक्षा स्तरानुसार करना।)	3.	3.1 वर्तनीगत अशुद्धियों को कम करने का अभ्यास– (हैं–है, पड़ाई–पढ़ाई आर्शीवाद–आशीर्वाद, रेफ़– ग्रह–गृह, क्रम–कर्म, ड्रम, पिता–पीता, सुखी–सूखी, परिक्षा–परीक्षा, उज्जवल–उज्ज्वल, संयुक्त अक्षर– परिश्रम–परिक्षम, ज्ञान–ग्यान) करना। LP3	55% बच्चे लेखन के दौरान वर्तनीगत शुद्धियों का ध्यान रखते हैं जैसे– उत्तीर्ण, व्यंग्य, प्रज्वलित, विद्यार्थी, क्योंकि, कार्यालय आदि (कक्षा गतिविधि, गृहकार्य, सुलेख, श्रुतलेख, अनुलेख द्वारा)।	65%	±2	वर्णों के उच्चारण स्थान का बोध एवं सही प्रयोग स्पष्ट करना। (कक्षा शिक्षण के दौरान इस बात को बार–बार स्पष्ट करेंगे कि वैचारिक अभिव्यक्ति के लिए शब्दों का शुद्ध प्रयोग आवश्यक है, अन्यथा अर्थ का अनर्थ होने में भी देर नहीं लगती।) App-Implementing	श्रुतलेख, अनुलेख, वर्गपहेली, आदि द्वारा वर्णों के उचित प्रयोग व शब्द भंडार में वृद्धि करने का अभ्यास देकर वर्तनीगत अशुद्धि को दूर करने का और अधिक प्रयास किया जाएगा। कभी–कभी क्षेत्रीयता, उच्चारण भेद और व्याकरणिक ज्ञान के अभाव के कारण वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ हो जाती हैं इस बात का भी ध्यान रखने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही भाषागत निपुणता लाने के लिए हिंदी के प्रति रुचि उत्पन्न करने का प्रयास भी करेंगे।	कक्षा शिक्षण/ गतिविधि के दौरान	प्रत्येक पखवाड़े तथा माह के अंत में।		
		3.2 सही उच्चारण एवं उचित शब्दावली द्वारा वाक्य संरचना करना; लिंग/वचन/काल आदि की वाक्य संरचना पर विशेष ध्यान देना। अशुद्ध वाक्य (घड़ी पर 10 बज चुके हैं। शुद्ध वाक्य– घड़ी में 10 बज चुके हैं।) LP4	60% विद्यार्थी लेखन के दौरान उचित शब्दावली व शुद्ध वाक्य निर्माण का ध्यान रखते हैं।	70%	±2	वाक्य संरचना के नियमों का ध्यान रखना, मानक शब्दों का अधिकाधिक चयन करना तथा अर्थबोध हेतु उचित शब्दों का प्रयोग करना (अशुद्ध रूप– सज्जन व्यक्ति किसी का अहित नहीं चाहते। शुद्ध रूप–सज्जन किसी का अहित नहीं चाहते। अशुद्ध– उनका बहुत भारी सम्मान हुआ। शुद्ध– उनका बहुत सम्मान हुआ।) (सज्जन के साथ व्यक्ति शब्द का प्रयोग सर्वथा अनुचित है।) Analyze-Differentiating	कक्षा शिक्षण के दौरान छोटे–छोटे वाक्य निर्मित कर उसमें निहित भाव की स्पष्टता के द्वारा, स्वेच्छा से पसंदीदा विषय का चुनाव कर लिखित अभिव्यक्ति द्वारा–(रेखाचित्र लेखन, यात्रा वृतांत, अपने पसंदीदा व्यक्ति विशेष का)	दो पाठों के उपरांत	विषय संवर्धन गतिविधि/ कला एकीकरण परियोजना के बाद		
			60% विद्यार्थी वाचन के दौरान सही उच्चारण व उचित शब्दावली के प्रयोग का ध्यान रखते हैं।	65%	±2	अधिकांशतः क्षेत्रीयता, उच्चाण भेद और व्याकरणिक ज्ञान के अभाव के कारण वर्तनीगत अशुद्धियाँ हो जाती हैं। अधिगम के समय इस बात का भी ध्यान रखने के लिए प्रेरित करेंगे। App-Executing	कक्षाकक्ष गतिविधि के माध्यम से पाठ रहीम के दोहे पर कक्षा चर्चा (दोहे से मिलने वाली सीख का हमारे जीवन पर प्रभाव एवं महत्त्व)।	दो पाठों के उपरांत	दो पाठों के पश्चात		

		3.3 लिखित अभिव्यक्ति में रचनात्मकता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ाना; क्षेत्रीय बोलियों का प्रभाव (मेको–मुझे, करी–की आदि।) LP6	60% विद्यार्थी लेखन गतिविधियों (अनुच्छेद / विज्ञापन / सूचना / पत्र आदि) के दौरान विषयवस्तु की सम्बद्धता तथा कल्पनाशीलता को परिलक्षित करते हैं तथा क्षेत्रीय बोलियों के शब्दों के अनुचित प्रयोग को समझकर इसका ध्यान रखते हैं।	65%	±3	शिक्षण पद्धति एवं कार्यप्रणाली में बदलाव (शिक्षण अधिगम में परिवर्तन, वास्तविक जीवन से जुड़े उदाहरण का प्रयोग बढ़ाकर समसामयिक व रुचिकर विषय का चुनाव जिससे विद्यार्थियों की प्रस्तुति प्रभावी एवं सटीक होगी (कारण वे उस दिशा में सही सोच सकें) कहानी सुनाकर / विडियो दिखाकर निहित विषयवस्तु के द्वारा सीखी गई सीख को प्रस्तुत करेंगे। Synthesis-Generating	पाठ 'एवरेस्ट: मेरी शिखर यात्रा' यात्रा वृतांत है, जिसमें लेखन की विधाओं का सरलता से जोड़ जा सकता है–1. आत्मकथा लेखन (स्वयं के जीवन से जुड़ी हुई बातों का) 2. अनुच्छेद लेखन ('मन के हारे हार है, मन के जीते जीत')। पाठ 'रैदास के पद'– के द्वारा पदों से मिलने वाली सीख को जोड़ते हुए उसका प्रभावी लेखन– संवाद विधा तथा अनुच्छेद के द्वारा देकर (समाज में रह रहे लोगों के व्यवहार, प्रवृति), जिससे वे विविध लेखन, विधाओं में अंतर को समझेंगे तथा विषयानुकूल विचारों सरलता, स्पष्टता, सुगमता से प्रस्तुत करने का सफल प्रयास करने में समर्थ हो जाएँगे।	दो पाठों के उपरांत	दो पाठों के पश्चात		

	4.	पाठोपरांत प्रश्नोत्तर का प्रभावी प्रदर्शन	70% विद्यार्थी पाठोपरांत प्रश्नों के उत्तर सटीक व प्रभावी रूप में देते हैं (प्रश्न को समझ कर उसमें निहित आशय के अनुरूप उत्तर का ध्यान रखते हैं तथा पाठांत अभ्यास में दी गई गतिविधियों को पूरी लगन से करते हैं।)	75%	±3	प्रश्न निर्माण व सटीक उत्तर रचनात्मक सोच बिन्दुओं को समाहित कर प्रभावी उत्तर को स्पष्ट करेंगे। Evaluating-Checking	कक्षाकक्ष में, पाठोपरांत विद्यार्थी प्रश्न निर्माण करेंगे, आशय स्पष्ट करेंगे तत्पश्चात आपस में बनाए गए प्रश्नों के उत्तर (बिंदु रूप में) साझा करेंगे।	प्रत्येक पाठ के उपरान्त/ सत्रांत परीक्षा के दौरान	प्रत्येक पाठ के उपरान्त		
पढ़ना कौशल–विराम चिह्नों का सही स्थान पर अनुप्रयोग, आत्मविश्वास को बढ़ाना, अधिकाधिक वर्तनी शुद्धि का अभ्यास	5.	5.1 शुद्ध उच्चारण व उचित उतार–चढ़ाव तथा हाव–भाव के साथ प्रभावी पढ़ना LP5	55% विद्यार्थी दिए गए विषयों के अनुरूप पढ़ने में सक्षम हैं (कक्षा गतिविधि तथा खुले मंच के आधार पर प्रभावी पाठ पढ़ना)	65%	±3	बंधन मुक्त विषय पर बोलने का अवसर देकर तथा गलत बोलने पर सही उच्चारण हेतु प्रेरित कर बार–बार बोलने के लिए प्रेरित करेंगे। Understanding-Infering	कविता 'गीत–अगीत' पर कक्षा चर्चा तथा व्यंग्य रचना 'तुम कब जाओगे, अतिथि' को कक्षा में विद्या बदलकर प्रस्तुति करेंगे।	दो पाठों के उपरांत	दो पाठों के पश्चात		
		5.2 उचित विराम–चिह्नों का प्रयोग कर भावानुकूल पठन/वाचन करना जैसे– पूर्ण विराम, अल्प विराम, विस्मयादि बोधक आ42दि LP4	60% विद्यार्थी विराम चिह्नों का सही स्थान पर अनुप्रयोग करते हुए पठन/वाचन करने में कुशल हैं (कक्षा में पाठ के वाचन का तरीका)	70%	±3	आदर्श वाचन के पश्चात विद्यार्थियों को प्रेरित करेंगे, अभिव्यक्ति का अवसर देंगे, कठिनाइयों का समाधान करेंगे, गलत बोलने पर सही उच्चारण हेतु प्रेरित कर बार–बार बोलने के लिए प्रेरित करेंगे, सुधार के साथ कक्षा में उनका उत्साहवर्धन करेंगे। Knowledge-Recognizing	रहीम के दोहे के साथ कोई अन्य मूल्य तथा नैतिकता पर आधारित दोहों का वाचन करेंगे, यात्रा वृतांत एवरेस्टः मेरी शिखर यात्रा को आधार बनाकर नवीन यात्रा वृतांत के नूतन अंत को बच्चों के अनुसार उनके शब्दों में प्रस्तुत करने हेतु प्रेरित करेंगे।	दो पाठों के उपरांत	सत्रांत के साथ		
आत्मविश्वास को बढ़ावा देना, भावनाओं को जोड़ने में कुशल बनाना।	6.	6. कल्पनाशीलता को बढ़ाना, संवेदनशीलता तथा जीवन मूल्यों के प्रभाव को विकसित करना। LP7	60% विद्यार्थी कल्पनाशीलता के साथ अपने विचारों को पूर्ण आत्मविश्वास के साथ प्रस्तु करने में कुशल हैं। प्रदर्शन के दौरान विश्लेषण क्षमता का प्रभाव परिलक्षित होता है। (प्रश्नोत्तर/कक्षा चर्चा के द्वारा)	70%	±3	छोटे–छोटे विषय देकर उस पर विचार प्रस्तुत करेंगे, उदाहरण देकर उसे अनुप्रयोग कर नवीन परिवर्तन निर्मित करने हेतु प्रेरित करेंगे। Understanding-Comparing	विषय के साथ सहायक बिंदु देकर उस पर विचार प्रस्तुति, पाठ में निहित मूल्यों पर चर्चा	सत्रांत के आधार	सत्रांत के साथ		
	7.	7. आपसी सहयोग व सामंजस्य की भावना विकसित करना	70% विद्यार्थी कक्षा गतिविधियों तथा अन्य सामूहिक गतिविधियों (विषय संवर्धन गतिविधि) के दौरान आपसी सहयोग व सामंजस्य की भावना परिलक्षित करते हैं।	80%	±2	छोटे–छोटे प्रेरक प्रसंगों को बच्चों के साथ साझा करेंगे तथा आपसी सहयोग से होने वाले फायदे एव महत्त्व की समझ विकसित करने हेतु प्रेरित करेंगे। Understanding-Comparing	समूह की गतिविधियों के द्वारा सहयोग, सहभागिता व उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करना।	विषय संवर्धन गतिविधि के आधार	विषय संवर्धन गतिविधि के बाद		
समय पर कार्य पूर्ण करना (कक्षाकार्य, गृहकार्य, परिचर्चा, विषय से संबंधित अन्य गतिविधियाँ)	8.	8.1 समय नियोजन के महत्त्व को समझाना।	70% विद्यार्थी अपना कार्य नियत समयावधि में पूर्ण करते हैं (कक्षाकार्य/गृहकार्य/कार्य पुस्तिका, विषय संवर्धन गतिविधियों का क्रियान्वयन)	75%	±2	समय के महत्त्व को समझाकर उन्हें दिए गए गृहकार्य/भाषायी गतिविधियों को समयांतराल में पूर्ण करने हेतु प्रेरित करेंगे। Evaluate-Critiquing	समय के महत्त्व पर विचार विमर्श कर जीवन मूल्यों का विकास करना	अर्द्धवार्षिक परीक्षा के आधार पर	अर्द्धवार्षिक परीक्षा के आधार पर/ विषय संवर्धन गतिविधि के बाद		